वर्ष-6, अंक 23, जनवरी-मार्च 2020

ISSN 2347-6605

तमसो मा ज्योतिर्गमय

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL

AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

A SCHOLARLY PEER REVIEWED JOURNAL

www.vaaksudha.com

वर्ष : 6 • अंक : 23 • जनवरी–मार्च 2020 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Referred Journal of Multidisciplinary Research in Multi-Language)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत–विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए–3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली–43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या–09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 2500 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* यह पत्रिका मूलत: पाठकीय/लेखकीय अनुदान अथवा सहयोग राशि से ही प्रकाशित होती है।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम भरत सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रामप्रवेश कुमार**
(संस्कृत विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गजेन्द्र सिंह**
(एसोसिएट प्रोफेसर, अफ्रीकन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. हरीश अरोड़ा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली)
- **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **लाजपत राय**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, सत्यवती महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **उमेश कुमार**
(इतिहास विभाग, श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राम प्रमोल कुमार**
(संस्कृत विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, बंगाल)
- **डॉ. संजय सेठ**
(हिन्दी विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. के.के. झा**
(हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. अमित सुमन**
(इतिहास विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

विद्वत् समीक्षा समिति (Peer-Review Committee)

हिन्दी :
डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर, दलित चिंतक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी
डॉ. राम किशोर यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. कृष्णलाल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री अरविन्दो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
श्री राजीव रंजन श्रीवास्तव, पत्रकार एवं स्तम्भकार, हिन्दुस्तान, नोएडा
डॉ. चन्द्रशेखर राम, असिस्टेंट प्रोफेसर, अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

संस्कृत :
प्रो. दलवीर सिंह चौहान, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. उमाशंकर, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मारूफ-उर-रहमान, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. राजीव रंजन, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

इतिहास :
डॉ. एम.एम. रहमान, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. उमेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मनोज शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. ईश्वर दान, असिस्टेंट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

विधि :
डॉ. अनुपम झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. पंकज चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. आशुतोष मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
अजय कुमार सिंह, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली
रवि शेखर मंगलमूर्ति, लोक अभियोजन अधिकारी, दिल्ली

अर्थशास्त्र :
डॉ. शरद रंजन, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. अनिल कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. दुष्यंत त्यागी, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली

अंग्रेजी :
डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. संजय वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

अफ्रीकन स्टडीज :
डॉ. गजेन्द्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

भूगोल शास्त्र :
डॉ. वीरेन्द्र सिंह नेगी, एसोसिएट प्रोफेसर, शहीद भगतसिंह कॉलेज, दिल्ली
डॉ. बाबर अली, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. नवल किशोर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शहीद भगतसिंह कॉलेज, दिल्ली

राजनीति शास्त्र :
प्रो. राम भरत सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
प्रो. काशीनाथ जेना, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा
डॉ. सुधीर सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली
लाजपत राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (प्रातः), दिल्ली

दर्शन शास्त्र :
प्रो. राम सरेख सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. आशुतोष पाण्डेय, पूर्णिया कॉलेज, बिहार

बौद्ध अध्ययन एवं पालि
प्रो. राजेश रंजन, नालन्दा नव-महाविहार, बिहार

मीडिया एवं पत्रकारिता
राजीव रंजन श्रीवास्तव, सम्पादक धर्मपृष्ठ, हिन्दुस्तान
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, प्रधान सम्पादक-युगान्तर टुडे
मोहम्मद अफसर, संवाददाता-न्यूज एजेंसी, यू.एन.आई.

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 9
रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्रों में बिहार की प्रतिच्छवि 10
डॉ. अन्नपूर्णा शाही
भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता 14
राज नारायण सिंह
महिलाओं का सुन्दर समाज- एक विचार 20
डॉ. अलका सिन्हा
Tax and Inequality ------------------------------ 23
Mayank Kumar
नालन्दा जिला में कृषि आधारित उद्योग की सम्भावनाएँ एवं नियोजन : एक भौगोलिक अध्ययन 26
डा. अशोक कुमार
हिंदी के आंचलिक उपन्यासों में शैक्षिक संदर्भ.. 29
डा. स्मिता मिश्र
ज्ञानरंजन की कहानियों पर साठोत्तरी प्रभाव 34
डॉ. गुरू चरण सिंह
Raja Rao as a metaphysical novelist with special reference to 'The Serpent and the Rope' -- 39
Dr. Arpana Sinha
परिवार की सामाजिक आर्थिक एवं वैवाहिक स्थिति.. 42
डॉ. मीना कुमारी
नारी जीवन के विविध आयाम : संस्कृत साहित्य के आलोक में स्त्री विवाह 48
कुमारी सुलेखा रानी
प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों की आहार संबंधी आदतें - एक अध्ययन 50
डॉ. अंजुला सिन्हा
हाड़ौती की परिचयात्मक संरचना - एक दृष्टि . 52
हेमलता वैष्णव
विवाह पूर्व प्रेम सम्बन्ध एवं सामाजिक सन्दर्भ... 60
डा. सुजाता कुमारी
प्रतीत्य समुत्पाद 63
श्रीमति रेणु कुमारी
शंभुनाथ सिंह : लोक जीवन के नवगीतकार...... 69
सुनील कुमार वर्मा
आचार्य रामानन्द के मत में भक्ति..................... 74
डॉ. राजेश कुमार
मैत्रेयी पुष्पा की आत्मकथा 'गुड़िया भीतर गुड़िया' में चित्रित राजनैतिक सत्ता 86
अंकित अभिषेक
Impact of ICDS on Health and Nutritional Status of Children --------------------------------------- 90
Dr. Sunila Kumari
राज्य धर्म-निरपेक्ष हो ही नहीं सकता 94
डॉ. रूपेश कुमार चौहान
कालिदास के महाकाव्य में प्रकृति विशेषकर नारी जीवन... 96
मणि वाजपेयी
ग्रामीणों के सामाजिक विकास में शिक्षित महिलाओं का योगदान विशेषकर महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में... 99
डॉ. प्रमोद कुमार प्रभाकर
Trrain Evalution of Muzaffarpur District in Bihar ---------------------------------102
Soni Kumari
महाभाष्यकालीन आर्थिक स्थिति विशेषकर व्यवस्था... 107
डॉ॰ इंद्रजीत कुमार
Environmental Protection and Sustainable Development-------------------------------------- 111
Dr. Priyanka Tripathi
सांस्कृतिक विविधता और डॉ. अम्बेडकर 117
डॉ. रेखा कुमारी
वैशेषिक दर्शन में पृथ्वी द्रव्य 120
माधव झा
पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से अनुसूचित जाति की महिलाओं का सशक्तिकरण-बिहार के विशेष संदर्भ में 122
डॉ॰ अमित विक्रम

Personality Characteristics of Mahadalit and Dalit High School Students -------------------126
Bandana Kumari
बाह्य जगत से भारत का संपर्क (हड़प्पा काल से मौर्य काल तक) एवं भारत पर पड़ने वाले इसके विविध प्रभाव.. 132
डा. शान्तनु कुमार
Urination in Bed By Children : Causes And Solution---------------------------136
Dr. Shobha Kumari
Women and Indian National Movement: A Political Prespective ------------------------139
Pankaj Kumar Bharti
गीता के अठारहवें अध्याय में प्रयुक्त प्रश्नों का तात्त्विक-विश्लेषण 142
डॉ. ललन कुमार पाण्डेय
British Policy of Separation of Frontier Tribes of N.E. from India: A Critical Study ---------151
Dr. Ravi Kant Pandey
Great concepts of Indian Religious Traditions - 154
Purnima Priyadarshi
राष्ट्रकूट साम्राज्य में दक्कन की भौगोलिक पृष्ठभूमि 158
विनय शंकर मिश्रा
The Introspection of Love-lust-frustration in the Poetry of Kamala Das ------------------------163
Gaurav Kumar Raju
नरेगा से बिहार में गाँवों की बदलती तस्वीर ... 168
डॉ. रंजु कुमारी
विश्व व्यापार संगठन एवं भारतीय निर्यात की प्रवृत्तिः समीक्षात्मक अध्ययन....................................... 172
डॉ. चन्द्रमणि प्रसाद
The Role of Prarthana Samaj in the Socio-religious Movements of India- A Historical Prespective ----------------------175
Dr. Samrendra Nath Vishwas
भक्तिकालीन संत कवियों की सामाजिक चेतना.. 181
डॉ. चैनसिंह मीना
Functional Morphology of Rural Settlement in Aurangabad (Bihar) --------------------------187
Dr. Kumar Pratiyogi Kamlesh
Role of MGNREGA in Economic Devlopment of Bihar ---194
Dr. Karu Rajak
Shashi Deshpande's Novels : A True Picture of Indian Society ----------------------------------202
Dr. Mahesh Kumar
कबीर के विचारों में धार्मिक सम्प्रदाय............ 206
डॉ. स्नेहा कुमारी
पूर्व-मध्यकालीन व्यापारिक स्थिति का अवलोकन.. 209
डॉ. संजीव प्रकाश
बौद्धकालीन शिक्षा की प्रासंगिकता.................. 213
डॉ. नीलकमल कुमार
विशिष्टाद्वैत दर्शन : एक अवलोकन................ 217
डॉ. संजय कुमार
पुराणों में वर्णित न्याय व्यवस्था 221
डॉ. संजय कुमार पांडेय
वेदान्त दर्शन में भक्ति की विकास यात्रा........ 225
डॉ. रश्मि कुमारी
कौटिल्य अर्थशास्त्र में आर्थिक व्यवस्था 229
मधुलिका सिन्हा
तुलसी की 'समन्वय भावना' 232
मनोज कुमार गुप्ता
बौद्ध संस्कृत साहित्य का ऐतिहासिक अनुशीलन 236
डॉ. रिंकु पांडेय
वैदिककालीन आर्थिक जीवन.......................... 240
डॉ. हरिओम कुमार

सम्पादकीय

कोरोना काल में सम्पूर्ण जीवन अस्त-व्यस्त सा हो गया है। समग्र मानवजाति अपने घरों में रहने को विवश है। इस वैश्विक महामारी एवं भयंकर विभीषिका का समाधान सभी राष्ट्र मिलकर भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या के निदान का उपादान प्रस्तुत करने में विज्ञान सर्वथा असहाय सा नजर आ रहा है। यही मानव ज्ञान के सीमा का वास्तविक अंकन भी है। हम बड़े से बड़ा विनाशक हथियार तो अवश्य बना सकते हैं। वैज्ञानिक प्रगति के नाम पर उत्खृष्ट यु)पोत, खतरनाक हथियारों से लेकर अत्यन्त विध्वंस जैविक हथियारों का जखीरा भी तैयार कर सकते हैं। किन्तु उनके प्रयोग के पश्चात् होने वाले विनाश से बचने एवं बचाने में हम नि:सन्देह सर्वथा असमर्थ होते हैं। हिरोशिमा एवं नागासाकी की तबाही से मानवजाति ने कुछ भी नहीं सीखा। यही कारण है कि आज भी नश्वर वैभव एवं बादशाहत की चाह में कुछ राष्ट्रों ने अपने दुस्साहसिक प्रयोगों से मानवजाति के साथ-साथ सभी प्राणियों के जीवन को दाँव पर लगा दिया है। अब भी वक्त है, यदि हमें मानवता एवं संसार की रक्षा करनी है तो ऐसे हठधर्मी देशों के प्रति कठोरता से पेश आना ही होगा।

अस्तु, यह तो नि:सन्देह सत्य है कि कोरोना काल में सब कुछ ठहर सा गया है। किन्तु इस समस्या के कारण समस्या के मूल का न सही, किन्तु अन्य समस्याओं के कुछ समाधान भी निकले हैं। मसलन अब ऑन-लाइन अध्ययन-अध्यापन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फलत: बड़े से बड़े विद्वान को विद्यार्थियों से रूबरू कराना आसान हो गया है। इसी प्रकार अब कोर्ट की सुनवाई भी ऑन-लाइन माध्यम से हो रही है, जिसमें समय के बचत के साथ-साथ फैसले आने में होने वाली विलम्ब से फौरीतौर पर थोड़ी राहत होती दिखलाई पड़ रही है। और हाँ, इस कोरोना काल में यदि कुछ पहले जैसा ही प्रवाहमान एवं गतिमान रहा है, तो वह सिर्फ और सिर्फ ज्ञान का प्रवाह और लेखक की लेखनी ही है। इसी का सुपरिणाम है कि वाक् सुधा का यह अंक भी समय पर ही प्रकाशित होने जा रहा है। मैं उन सभी लेखकों को साधुवाद एवं बध ाई देता हूँ, जिन्होंने इस भयंकरतम स्थिति में भी अपने आपको स्थिरचित्त रखते हुए अपनी लेखनी को गतिशील रखा। वाक् सुधा के इस अंक में रामवृक्ष बेनीपुरी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, कवि ज्ञानरंजन, शम्भुनाथ सिंह, मैत्रेयी पुष्पा जैसे हिन्दी कवियों पर आधृत सुन्दर लेख सन्निहित हैं, तो हिन्दी के आंचलिक उपन्यास पर अवलम्बित लेख में हिन्दी उपन्यासों के वैविध्य का व्यवस्थित मूल्यांकन भी किया गया है। महिलाओं की स्थिति, वर्तमानकालीक परिवार संरचना, विवाहपूर्व प्रेमसम्बन्ध जैसे सामाजिक एवं ज्वलन्त विषयों को भी लेखकों ने अपनी लेखनी का विषय बनाकर इस अंक में वैविध्यता का संचार कर दिया है। इस अंक की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता ही है। इसमें प्रतीत्यसमुत्पाद, वैशेषिक दर्शनाधारित दार्शनिक लेखों की सुन्दर छटा है एक ओर तो दूसरी ओर राजधर्म, एवं अर्थनीति जैसे विषय भी राजनीतिक-धार्मिक विषय भी व्यवस्थित स्वरूप में व्याख्यायित किए गए हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बाबा साहब अम्बेडकर जी का उपस्थापन तथा मैत्रेयी पुष्पा का राजनैतिक दृष्टिकोण से मूल्यांकन सर्वथा नवीन उद्भावनाएं हैं। इसी प्रकार कालिदास के महाकाव्यों में नारी जीवन तथा ग्रामीणों के विकास में शिक्षित महिलाओं का योगदान इत्यादि ऐसे विषय हैं, जो पुरातन जरूर हैं किन्तु उन्हें नए कलेवर एवं उद्धरण के साथ प्रस्तुत करने से अति उपयोगी हो गए हैं।

आशा है कि वैश्विक महामारी के काल में भी अपनी शोध परक लेखनी से ज्ञान परम्परा को प्रवाहमान रखने की जो पहल इन लेखकों, विद्वानों एवं शोधार्थियों ने की है, तथा एतदर्थ किया गया इनका श्रम आप सभी पाठकों को भी अवश्य पसन्द आएगा।

अपनों के साथ स्वस्थ रहें, सकुशल रहें, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

-डॉ. रूपेश कुमार चौहान